ज़रा सिर खुजलाइए

न्यूटोनिया ग्रह पर ....

सभी चित्र: आमोद कारखानिस

भाग-2

पृष्ठ क्रमांक 19 से आगे

नए शासक नरोधाम की यह तरकीब सफल नहीं होगी।

चलिए, हरेक माता के सबसे पहले बच्चे के बारे में सोचते हैं। इनमें से एक तिहाई नर होंगे, एक तिहाई मादा और एक तिहाई द्विलिंगी। द्विलिंगी बच्चों को जन्म देने वाली माताओं की नसबंदी कर दी जाएगी ताकि वे आगे बच्चे पैदा न कर सकें।

शेष माताओं को शायद दूसरा बच्चा पैदा होगा। इन सब दूसरे बच्चों में से भी एक तिहाई नर होंगे, एक तिहाई मादा और एक तिहाई द्विलिंगी। अब फिर द्विलिंगी बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को बांझ बना दिया जाएगा।

शेष माताओं को शायद तीसरा बच्चा पैदा होगा, और फिर चौथा....। इस तरह परिवार में चाहे कितने ही बच्चे हों हर बार नर, मादा और द्विलिंगी बच्चों का अनुपात 1:1:1 ही रहेगा।

अब मान लीजिए की नरोधाम शासक का यह नियम 1000 साल तक लागू रहता है। और इस दौरान सब माताएं जीवित व स्वस्थ रहती हैं ताकि वे बच्चे भी पैदा करती रह सकें, जब तक कि उन्हें द्विलिंगी बच्चा पैदा नहीं हो जाता।

- ऐसी स्थिति में इन 1000 वर्षों के दौरान न्यूटोनिया की माताओं द्वारा पैदा बच्चों की औसतन संख्या क्या होगी?

भाग-3 देखिए पृष्ठ क्रमांक 56 पर।